सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

**Publication: Rashtriya Sahara** **Date: 11 Jul 2015**

**Edition: Lucknow** **Page: 03**

# विश्व जनसंख्या दिवस आज, रैली का उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री

लखनऊ (एसएनबी)। विश्व जनसंख्या दिवस पर राज्य स्तर की साइकिल रैली, मोटरसाइकिल रैली एवं पैदल रैली का उद्घाटन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव करेंगे। विश्व जनसंख्या दिवस पर 11 व 24 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवारा मनाया जाएगा।

यह जानकारी प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अरविंद कुमार ने होटल क्लार्क अवध में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। सिप्सा द्वारा आयोजित पत्रकारवार्ता में नेशनल हेल्थ मिशन व स्वास्थ्य महानिदेशालय अधिकारी भी मौजूद थे।

> ■ 11 से 24 तक मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या पखवारा दिवस

प्रमुख सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा राज्य एवं जिला स्तर पर 11 से 24 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवारा मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिला पुरुष नसबंदी कैम्पों का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस पखवारे के दौरान परिवार नियोजन की स्थाई एवं अस्थायी विधियों का प्रचार- प्रसार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रदेश के 548 अरबन हेल्थ सेंटर शुरू किये जा रहे है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार नियोजन का प्रचार प्रसार करने व बढ़ावा देने के लिए 24 करोड़ रुपये का बजट दिया जा रहा है। मिशन निदेशक एनएचएम अमित घोष ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर के अस्पतालों एवं डाक्टरों की भागेदारी परिवार नियोजन में बढ़ाने के लिए नया कार्यक्रम हौसला साझेदारी शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के अस्पताल अपनी गतिविधियां दर्ज करायेंगे। अभी तक 101 नर्सिंग होम बेव पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर चुके है। अपर अधिशासी रिग्जियान सैम्फिल ने बताया कि लोक संगीत व रेडियो ड्रामा सीरीज शुरू की गयी है जो कि सफल है। निदेशक डा. मीनू सागर ने कहा कि एक करोड़ दस लाख लोग परिवार नियोजन साधन अपना रहे है। इसके अलावा एक करोड़ 24 लाख परिवार दम्पति को भी परिवार नियोजन का साधन अपनाना होगा। कार्यक्रम में महानिदेशक डा. विजय लक्ष्मी , सीएमओ डा. एस एन एस यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

Rashtriya Sahara (Lucknow)
11 Jul'15 (Pg no 3)

सिफ्सा
SIFPSA

# IN NEWS

**Publication: Hindustan Times** | **Date: 12 Jul 2015**

**Edition: Lucknow** | **Page: 7**

FOR A CAUSE

■ Chief minister Akhilesh Yadav flagging off an awareness rally to mark the World Population Day and beginning of the Population Stability Fortnight, in the state capital on Sunday. ASHOK DUTTA/HT

# Control population for better society: CM

**HT Correspondent**
■ lkoreportersdesk@hindustantimes.com

**LUCKNOW:** Chief minister Akhilesh Yadav on Saturday said that society could be made a better place to live in by controlling the population growth rate.

Addressing the gathering at a function to flag off an awareness rally to mark the World Population Day and the start of the Population Stability Fortnight (July 11-24), the chief minister said it was crucial to educate people on the population increase.

"It is important to inform the masses that small family is in the interest of all (as the basis of happiness)," he said while pointing out that population control was a must for the development of the state. The chief minister launched a compact disc in which the significance of family planning and a nuclear family was displayed. There was also a signature campaign wherein people of the state signed and took an oath to lead a healthy and prosperous life.

The rally was organised by the National Health Mission, Sifpsa, and other organisations such as Unicef, the World Health Organisation, Bill and Melinda Gates Foundation. Medical para medical and nursing college students, other students, non-government organisations, health employees and officials were present on the occasions. Bike riders and cyclists also participated in the rally.

The World Population Day is observed on July 11 every year. The event is aimed at raising awareness of global population issues. The event was established by the governing council of the United Nations Development Programme in 1989.

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

**Publication: Dainik Jagran** **Date: 12 Jul 2015**

**Edition: Lucknow** **Page: 06**

विश्व जनसंख्या दिवस आज : सीएम रवाना करेंगे रैली

# उत्तर प्रदेश की 59 प्रतिशत महिलाओं में खून की कमी

- तीन माह के भीतर घोषित होगी राज्य की नई जनसंख्या नीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की 59 प्रतिशत महिलाओं में खून की कमी है। स्वास्थ्य विभाग जनसंख्या नियोजन के साथ उनकी सेहत ठीक रखना सुनिश्चित करने की भी रणनीति बना रहा है। शुक्रवार को राज्य परिवार नियोजन सेवा अभिनवीकरण परियोजना एजेंसी (सिफ्सा) की पहल पर आयोजित मीडिया कार्यशाला में यह जानकारी दी गई।

प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अरविंद कुमार ने बताया कि शनिवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर पूरे प्रदेश में रैलियां निकाली जाएंगी, जिसे मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अपने आवास से रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य की नई जनसंख्या नीति अगले तीन माह के भीतर घोषित होगी। अब पूरा जोर प्रजनन दर को 3.1 से 2.1 करने पर है। इसके लिए 11 से 24 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान जनपद स्तर पर स्वास्थ्य मेले भी लगाए जाएंगे।

**हर जोड़े व गांव तक कार्ययोजना :** प्रमुख सचिव ने बताया कि गांव तक परिवार कल्याण कार्यक्रमों को लागू करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई गई है। स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ता हर जोड़े से मिलकर उसे परिवार नियोजन का महत्व समझाएंगे।

**जोड़ने होंगे 1.24 करोड़ दंपती :** परिवार कल्याण निदेशक डॉ.मीनू सागर ने कहा कि वर्ष 2020 तक परिवार नियोजन का अंतरराष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमें 1.24 करोड़ दंपती और इस अभियान से जोड़ने होंगे। अभी तक हम 1.21 करोड़ लोग जोड़ चुके हैं। सिफ्सा के अपर अधिशासी निदेशक रिग्जियान सैम्फिल ने बताया कि 102 नंबर डायल की 2000 व 108 नंबर डायल की 1000 एंबुलेंस सक्रिय हैं।

**आबादी कम वृक्ष हजार, बेटी को दो जन्म का अधिकार :** सिफ्सा के अधिशासी निदेशक अमित घोष ने बताया कि इस वर्ष 'आबादी कम वृक्ष हजार, बेटी को दो जन्म का अधिकार' नारे के साथ मातृ-शिशु वर्ष मनाया जा रहा है। परिवार कल्याण के लिए नए कार्यक्रम हौसला साझेदारी की शुरुआत भी की गई है, जिसमें निजी क्षेत्र को भी जोड़ा जाएगा।

## मलिन बस्तियों में खुलेंगे 548 अस्पताल

लखनऊ : समाज के अंतिम व्यक्ति तक संपूर्ण इलाज की सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रदेशभर की मलिन बस्तियों में 548 अस्पताल खोले जाएंगे। शहरी क्षेत्रों में 6600 आशा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अरविंद कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉक स्तर तक अस्पताल खोलने के बाद अब शहरी क्षेत्र में 548 मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएंगे। इस मुद्दे पर फैसला हो गया है और अगले तीन-चार महीनों के भीतर अमल हो जाएगा। महिला आरोग्य समितियों का गठन कर हर मरीज का इलाज सुनिश्चित कराया जाएगा। आशा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के साथ ही आशा व एएनएम के रूप में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को तीन महीने का विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

Dainik Jagran (Lucknow) 11 Jul 15 (Pg no 11)

सिफ्सा
SIFPSA

# IN NEWS

**Publication: Hidustan** **Date: 25 Jul 2015**

**Edition: Lucknow** **Page: 04**

परिवारीजनों का कहना है कि यहां इलाज परिवारीजन शांत हुए। करना पड़ रहा है।

# प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर जेल जाएंगे

**लखनऊ।** स्वास्थ्य मंत्री अहमद हसन ने कहा है कि प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले सरकारी डॉक्टर जेल जाएंगे। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अहमद हसन ने यह बात शुक्रवार को कन्वेंशन सेंटर में आईईसी मेले के आयोजन के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने जहां प्रदेश में सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुविधाओं और बेहतर इलाज के लिए करीब साढ़े चार हजार डॉक्टर भर्ती किए हैं वहीं किसी भी मामले में दोषी पाए जाने वाले 150 से अधिक डॉक्टरों को तीन साल में जेल भी भेजा जा चुका है। प्रदेश में इस समय 15,000 डॉक्टर हैं। जबकि पिछली सरकार में 10,000 के करीब डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे थे। कई नए अस्पताल भी खोले गए हैं। प्रदेश भर में 26 ट्रॉमा सेंटर भी दो साल के भीतर ही खोले जाएंगे।

मंत्री ने सिफ्सा की ओर से आईईसी मेले में बताया कि वर्ष 2015 को 'मातृ शिशु सुरक्षा' वर्ष घोषित किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य परिवार नियोजन अपनाकर मातृ एवं शिशु को बचाना है।

परिवार नियोजन में सर्वश्रेष्ठ काम करने वालों को शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री अहमद हसन ने सम्मानित किया • हिन्दुस्तान

**घटी मातृ-शिशु मृत्युदरः** स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अरविंद कुमार ने बताया कि तीन साल पहले प्रदेश में एक लाख में 397 महिलाओं की मृत्यु दर थी, जो घटकर 298 हो गई है। ऐसे ही शिशु मृत्यु दर भी तीन साल पहले एक हजार में 57 थी, जो कि अब 50 हो गई है।

**परिवार नियोजन में उपलब्धि पर पुरस्कारः** आईईसी मेले में सूबे के डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ से लेकर अधिकारियों को 2014-15 में परिवार नियोजन कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के लिए पुरस्कार दिए गए। लखनऊ का कोई भी डॉक्टर या अधिकारी इसमें शामिल नहीं है।

**परिवार नियोजन की जानकारीः** मेले में कई संस्थाओं ने स्टाल लगाए थे। जिनमें महिलाओं और बच्चों के जन्म के समय होने वाली बीमारियों से बचाव के तरीके सुझाए गए थे। नसबंदी, बेहतर स्वास्थ्य के लिए जागरूकता फैलाने वाली प्रचार सामग्री बांटी गई।

Hindustan (Lucknow) 25 July' 2015 (Pg no. 4)